मराज्य ग्रामीण आजीविका मिशन-दीनदयाल अंत्योदय योजना.प्र.

(MPDAYNRLM)

मुख्य उपलब्धियां

- 17.70 लाख ग्रामीण गरीब परिवारों को 1,55,273 स्व-सहायता समूहों से जोड़ा गया है , जिनमें से 11.17 लाख अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के परिवार हैं।
- 11,902 ग्रामों में सभी लक्षित परिवार समूह से जुड़ गए हैं।
- कम्यूनिटी मोबीलाईजेशन कार्य एवं कृषि गतिविधियों को बढ़ावा दने के लिए 20,323 समुदाय स्रोत व्यक्तियों का चिन्हांकन व प्रशिक्षण किया गया।
- 1,02,900 समूहों को बैंकों से रू. 1237 करोड़ (एक हजार दो सौ सैंतीस करोड़) का ऋण दिलाया जा चुका है , जिनमें से 65,859 अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के समूह हैं।
- 12,77,573 परिवारों को आजीविका गतिविधि से जोड़ा गया।
- 5.18 लाख ग्रामीण बेरोजगार युवाओं को रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण एवं रोजगार मेलों के माध्यम से रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए गए, जिनमें से 2.4 लाख अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति के युवा हैं।
- मुख्यमंत्री आर्थिक कल्याण/मुख्यमंत्री स्वरोजगार योजना के अंतर्गत 15,566 हितग्राही लाभान्वित किए गये हैं।
- अब तक 1,29,540 परिवार वर्ष में एक लाख से अधिक की आय प्राप्त करने की स्थिति में पहुंच गये हैं।

मुख्य आजीविका गतिविधियां

- उन्नत कृषि अंतर्गत 4,43,663 परिवार लाभान्वित।
- 2,56,785 ''आजीविका पोषण वाटिका'' (Kitchen Garden) तैयार की गई हैं।

- जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्धेश्य से 2,37,256 हितग्राहियों द्वारा वर्मी पिट/नाडेप बनाए गए हैं।
- 1,76,771 कृषकों को व्यवसायिक सब्जी उत्पादन के साथ जोड़ा गया है।
- 83,339 परिवारों द्वारा दुग्ध उत्पादन गतिविधि आरंभ की गई।
- 67,437 परिवारों द्वारा सूक्ष्म उद्यम गतिविधियां आरंभ/सुदृढ की गई।
- स्व-सहायता समूहों की 10,000 से अधिक महिलाओं द्वारा परिसंघ अथवा स्वतंत्र रूप से परिधान तैयार किए जा रहे हैं।
- मिशन द्वारा 68 सेनेटरी नेपकिन इकाईयां स्थापित की गई है, जिसमें स्व-सहायता समूहों की 1,355 महिलाएं जुड़ी हैं।
- 24 उत्पादक कंपनियों (20 कृषि आधारित, 2 दुग्ध, 2 मुर्गी पालन) कार्यरत है।